अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 8 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण चतुर्थी
विक्रम संवत 2082

PAGE NO 6 : MIDDLE

शहरी जीवन के अकेलेपन को चीरता है नाटक 'सारी रात'

रिद्धिमा सभागार में नाटक का मंचन करते कलाकार। *स्रोत : संस्थान*

बरेली। स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा सभागार में रविवार को बादल सरकार लिखित और जय सिंह निर्देशित नाटक ''सारी रात'' का मंचन किया गया। इसने शहर के नाट्य प्रेमियों को गहरे आत्मचिंतन में डुबो दिया। इस नाटक को रिश्तों के अलगाव पर एक मनोवैज्ञानिक नजरिया माना जा सकता है। यह हमारे समय की हकीकत है और शहरी जीवन के अकेलेपन को चीरता है।

यह मंचन दर्शकों को थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी सोचने पर मजबूर करता है।

नाटक में एक विवाहित जोड़ा किसी दूसरे शहर में एक रात के लिए ठहरते हैं। वहां एक बूढ़ा व्यक्ति उनकी देखभाल करता है। इस सुनसान रात में बाहरी दुनिया की हलचल थम जाती है और उनके आंतरिक जीवन का कोलाहल शुरू होता है। नाटक पूरी तरह से संवादों और मौन के बीच रिश्तों की बढ़ती जटिलता, ऊबन और अलगाव की भावना को उजागर करता है। संवाद